BSES

# बिजली चोरी पकड़ने गई दिल्ली पुलिस–सीआईएसएफ–बीएसईएस टीम पर हमला

- हमले में बीएसईएस फोटोग्राफर समेत कई कर्मचारी घायल, एफआईआर दर्ज
- दिल्ली पुलिस–सीआईएसएफ–बीएसईएस टीम ने **150** किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी
- अपोलो अस्पताल के पास मदनपुर खादर के **8** घरों के **200** कमरों में हो रही थी बिजली चोरी

नई दिल्ली, **8** अगस्त, **2007**। दक्षिण दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल नजदीक जब बीएसईएस की एन्फोर्समेंट टीम, दिल्ली पुलिस और सीआईएसएफ के जवानों के साथ, वहां भारी पैमाने पर हो रही बिजली चोरी पकड़ने गई, तो भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि छापामार दस्ते में पुलिस, सीआईएसएफ और बीएसईएस के **50** से अधिक लोग शामिल होने के बावजूद उन पर हमला किया गया। हमला करने वालों में महिलाएं भी शामिल थीं। हमले में बीएसईएस के एक फोटोग्राफर समेत कई कर्मचारी घायल हो गए। इसके बाद, स्थानीय थाने में पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। जिनके खिलाफ मामला दर्ज कराया, उनमें कश्मीर सिंह, निवासी मोहिल्ला मोहल्ला, मौसी कॉलोनी भी शामिल है।

जैसे ही छापामार दस्ते ने इस इलाके के **8** घरों के **200** कमरों में छापा मारकर **150** किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी, वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई, और उन्होंने छापामार दस्ते पर पत्थर फेंकना और उनके साथ धक्का–मुक्की करना शुरू कर दिया। कई लोग अपने घरों की छतों पर से लगातार पथर फेंक रहे थे।

इधर, इस पूरे इलाके में बिजली की चोरी को रोकने के लिए रूटीन स्तर पर छापेमारी की जा रही है। लेकिन बीएसईएस के मीटगर रीडरों और रिकवरी टीम के सदस्यों के कानूनी काम में बाधा पहुंचाई जा रही है।

दरअसल, मदनपुर खादर में अलग तरह की बिजली चोरी है। इलाके में **40- 50** घर हैं। हर घर में **30- 50** कमरे हैं, जिन्हें मकान मालिकों ने किराए पर लगा रखा है। इनमें ज्यदातर बाहर से आए मजदूर रहते हैं, जिनसे यहां के मकान मालिक प्रति कमरा **1500- 2000** रूपये किराया वसूलते हैं। हर कमरे में **1** से **2** किलोवॉट की बिजली की खपत है, लेकिन वे लोग मीटर लगवाने की बजाए बिजली की सीधी चोरी कर रहे हैं। जिनके यहां मीटर लगे हुए भी हैं, वहां भी कनेक्टेड लोड, सैंक्संड लोड के मुकाबले कई गुना ज्यादा है।

पिछले कुछ महीनों के दौरान बीएसईएस ने मदनपुर खादर में **50** जगहों पर छापेमारी की है, और **450** किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी है। उन पर **52** लाख रूपये का जुर्माना भी किया गया है।

इस बीच, इलाके में बिजली चोरी कम करने और बिजली की गुणवत्ता को उन्नत करने के लिए बीएसईएस इस इलाके में एरियल बंच्ड केबल लगा रही है। यह रबड़ की मोटी परत वाली केबल होती है, और इसमें लो वॉल्टेड डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम इस्मतेताल किया जाता है।

बीएसईएस मदनपुर खादर के निवासियों से अपील करती है कि वे बिजली का कानूनी कनेक्शन लें। इलाके में नियमित रूप से कैंप लगाए जा रहे हैं, जिसका प्रचार रिक्शा पर लाउड स्पीकर के माध्यम से किया जाता है।

*दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।*

---

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

प्रशान्त दुआ

चंद्र पी कामत